

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर के अनुसार धार्मिक पर्यटन का बढ़ा चलन देश के टॉप-10 पर्यटन स्थलों में आगरा सहित यूपी का दबदबा

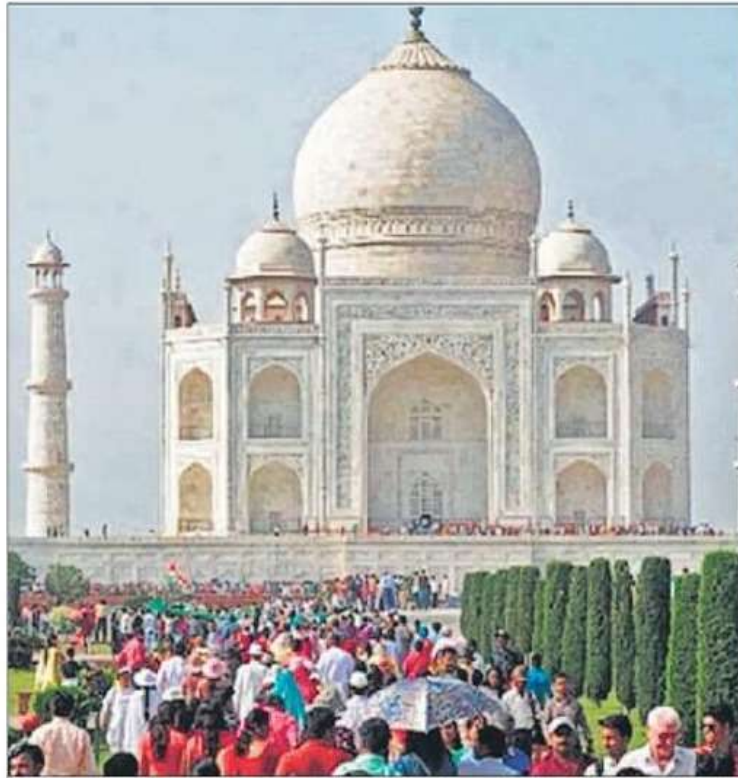


अच्छी खबर

■ अनुज परमार

आगरा। देश में घरेलू पर्यटन अब पूरी तरह से बदल चुका है। ऐतिहासिक और विरासत पर्यटन पर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन ने छाप छोड़ी है। यही कारण है कि देश के टॉप-10 पर्यटन स्थलों में से आठ पर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों का कब्जा है। इसमें भी आगरा सहित उत्तर प्रदेश का दबदबा है। केवल उत्तर प्रदेश में पांच स्थान ऐसे हैं, जो सर्वाधिक पसंद किए जाने वाले पर्यटन स्थलों में शामिल हैं। यह इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के आंकड़े बता रहे हैं।

एसोसिएशन के चेयरमैन और ट्रैवल ब्यूरो के डायरेक्टर सुनील गुप्ता बताते हैं कि कुछ वर्षों में पर्यटन का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। देश के टॉप-10 डेस्टिनेशन में से आठ मुख्य रूप से आध्यात्मिक पर्यटन पर आधारित हैं। आस्था और संस्कृति से गहराई से जुड़ी घरेलू यात्रा देश के पर्यटन इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने वाला सबसे शक्तिशाली इंजन बनकर उभरी है। इससे बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार, हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में बढ़ोतरी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। वे बताते हैं कि टॉप-10 डेस्टिनेशन की सूची में आगरा और गोवा एकमात्र ऐसे स्थान हैं, जो



आध्यात्मिक यात्रा पर युवा

सुनील गुप्ता बताते हैं कि आधुनिक समय में डिजिटल प्लेटफॉर्म हावी हैं। इन्हीं का परिणाम है कि युवा पीढ़ी भी बड़ी संख्या में आध्यात्मिक यात्राओं की ओर आकर्षित हो रही है। बड़ी संख्या में युवा धार्मिक और आध्यात्मिक डेस्टिनेशन पर पहुंच रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी व्यापक पहचान मिल रही है। हाल ही में #राधा इसका ताजा उदाहरण है। गोवर्धन परिक्रमा से जुड़ा यह ट्रेंड काफी वायरल हुआ है।

धार्मिक नहीं हैं। आगरा ऐतिहासिक और विरासत पर्यटन के लिए जाना जाता है, जबकि गोवा मनोरंजन और अवकाश का केंद्र है। आगरा में 1.87 करोड़ और

गोवा में 1 करोड़ पर्यटक प्रति वर्ष आते हैं। जबकि अयोध्या में 16.4 करोड़ और प्रयागराज में 12 करोड़ पर्यटक हर साल पहुंच रहे हैं।

दस में से पांच स्थान हैं उत्तर प्रदेश के

एसोसिएशन के अनुसार देश के टॉप-10 डेस्टिनेशन में उत्तर प्रदेश का दबदबा है। दस में से पांच स्थान उत्तर प्रदेश के हैं, जहां सालभर में सर्वाधिक पर्यटक पहुंच रहे हैं। अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी और मथुरा-वृंदावन क्रमशः पहले से चौथे स्थान तक हैं। आगरा 9वें पायदान पर है। छठे पायदान पर एमपी का उज्जैन, उसके बाद पंजाब का अमृतसर, उत्तराखंड का हरिद्वार, आंध्र प्रदेश का तिरुपति और अंतिम पायदान पर गोवा है। इन आंकड़ों से घरेलू पर्यटन की मजबूत स्थिति का पता चलता है। टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन कारोबारियों के बीच इसकी चर्चाएं तेज हैं।

आंकड़ों की नजर से

डेस्टिनेशन	पर्यटक संख्या
अयोध्या	16.4 करोड़
प्रयागराज	12 करोड़
वाराणसी	11 करोड़
मथुरा-वृंदावन	9 करोड़
उज्जैन	7 करोड़
अमृतसर	3.6 करोड़
हरिद्वार	3 करोड़
तिरुपति	2.55 करोड़
आगरा	1.87 करोड़
गोवा	1 करोड़

(नोट : एसोसिएशन द्वारा जारी सालाना पर्यटकों की संख्या का आंकड़ा।)